

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I— खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राथिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 128]

नदि विल्ली, शुक्रवार, जुलाई 4, 1975/ब्रा^च। इ. 13, 18 97

No. 128]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 4, 1975/ASADHA 13, 1897

इस भाग में भिन्ने पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के कप म रका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 4th July 1975

SUBJECT.—Scheme for the licensing of millmade/handloom woven cotton blouses, shirts and dresses for export to Australia from 1st July, 1975 until further orders.

No. 29-ETC(PN)/75—It has been decided to continue with the scheme of free licensing on first-cum-first served basis for export of the following items from 1st July, 1975 until further orders to Australia.

Aus	tralian Tariff Item No.	Description Blouses and shirts, woven, women's, girls' and infants'		
Ex	61,02.3			
Ex	61.04.2	predominantly of cotton by weight.		
Ex	61.02.1	Dresses, woven, women's and girls' predominantly of cotton by weight.		

Exports shall be allowed from any port in India.

For exports of these items to Australia, allotments shall be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council to the shippers in accordance with the decision of the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay.

Allotments shall not be transferable without the express consent in writing of the quota issuing authority viz the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay.

A non-refundable charge of Rs. 10 per 1,000 pcs. will be levied by the Cotton Textiles Export Promotion Council for the issue of allotments, subject to a minimum of Rs. 5.

All shippers shall have to submit monthly reports to the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay, giving details of the shipments of these ttems made to Australia. These statements should reach the Council by the 10th of the following month.

The Cotton Textiles Export Promotion Council shall (a) supervise the entire scheme, (b) keep a watch over the performance from time to time, (c) interpret and give decisions on various matters arising out of the operation of the scheme and (d) make such changes in the scheme as they deem fit from time to time. The Council shall be empowered to frame rules and regulations from time to time inter-alia providing for the conditions to be complied with by an applicant before he would be entitled to allotments. It shall also have the right to withhold or cancel allotments and reject applications for allotments without assigning any reasons.

The address of the Cotton Textiles Export Promotion Council is as follows:— Engineering Centre, 5th Floor,

9, Mathew Road, Bombay-400004.

B. D. KUMAR,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1975

सं० 29-ई ि दी ि सी ि (पी० एन ०)/75.—श्रगले श्रादेश होने तक 1-7-75 से श्रास्ट्रेलिया को पहले श्राए सो पहले पाए के श्राधार पर निम्नलिखित मदों के निर्यात के लिए स्वतंत्र लाइसेंस देने की योजना को लागू रखने का निष्चय किया गया है:---

भ्रास्ट्रेलिया टेरिफ़ मद संख्या	विवरण		
एक्स 61.02.3	महिलाम्रों, लड़िकयों एवं बच्चों की बुनी हुई ब्लाउजें		
एक्स 61.04.2	एवं कमीजें वजन में प्रधानता सूत की होगी ।		
एक्स 61.02.1	महिलाम्रों एवं लड़कियों के बुने हुए पहनावे वजन में प्रधानता सूत की होगी।		

निर्यात भारत के लिए किसी भी पत्तन से स्वीकृत होगा।

ग्रास्ट्रेलिया के लिए इन मदों के निर्यात का श्रावंटन सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई द्वारा लिए गए निर्णय के श्रनुसार सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा पोत-वणिकों को किया जाएगा । ग्नाबंटन का हस्तान्तरण कोटा जारी करने वाले प्राधिकारी श्रर्थात् सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई की स्पष्ट लिखित श्रन्मित के बिना नहीं िया जाएगा ।

म्रावंटन के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा प्रति 1,000 पैकेट के लिए 10 रुपए का एक भ्रदेय शुल्क वसूला जाएगा भ्रौर यह न्युनतम 5 रुपए के भ्रधीन होगा।

भास्ट्रेलिया को इन मदों के लिए किए गए निर्यात पोतलदानों के ब्यौरे देते हुए सभी पोतवणिकों को सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई को एक मासिक रिपोर्ट देनी पड़ेगी। ये विवरण भ्रगले माह की 10 तारीख तक परिषद् को पहुंच जाने चाहिएं।

सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् के ये कार्य होंगे :---

(क) समस्त योजना का पर्यवेक्षण करना, (ख) कार्यनिष्पादन का समय-समय पर निग-रानी रखना, (ग) योजना के परिचालन के संबंध में उत्पन्न विभिन्न मामलों की व्याख्या करना एवं उस पर निर्णय देना भ्रौर (घ) समय-समय पर ऐसे परिवर्तन करना जिन्हें उचित समझा जाए। श्रन्य बातों के साथ-साथ धावेदक को भ्रांवटन के लिए हकदार होने से पूर्व की धातों का पालन कराने के लिए परिषद् को समय-समय पर नियम तथा विनियम बनाने का ध्रिधकार होगा। उसे यह भी ध्रिधकार होगा कि वह बिना कोई कारण बताए ही भ्रावंटन को रोक ले या उसे रह कर दे भीर श्रावंटन के लिए भ्रावंदन-पत्नों को ध्रस्वीकार कर वे।

सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् का पता निम्नलिखित होगा : —

इंजीनियरिंग सेन्टर, 5वीं मंजिल, 9, मैथ्यू रोड़, बम्बई-400004

> की० डी० कुमार, मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात ।